

**To Solve the Problem of 'Sem'**

**\*96. CHAUDHARY ABHAY SINGH CHAUTALA, (Ellenabad):**

Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state:-

a) the name of the areas which have been affected with the problem of 'Sem' in State togetherwith the districtwise details thereof; and

b) the steps taken by the Government to solve the above said problem togetherwith the district-wise details thereof?

---

**JAI PARKASH DALAL, AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE  
MINISTER, HARYANA**

Sir, "A statement is laid on the Table of the House."

**Statement of Jai Parkash Dalal, Agriculture and Farmers Welfare Minister, Haryana referred to starred assembly question no.96 regarding "To solve the Problem of Sem"**

- a) Sir, an area of about 982740 acres is affected with the twin problem of water-logging and salinity in the State, out of which an area of about 174470 acres is under critical condition (water table 0-1.5 m) as per the data provided by the Ground Water Cell in the year 2020. The problem of water-logging can be tackled through sub-surface drainage (SSD), vertical drainage (VD), bio-drainage and aquaculture depending upon the nature and extent of the problem and the affected area can be reclaimed within 3-4 years. Most affected areas fall in the districts of Rohtak, Jhajjar, Sonapat and Bhiwani followed by Hisar, Jind, Fatehabad, Sirsa, Palwal & Nuh. The ground situation fluctuates depending upon the rainfall and cropping pattern. The district-wise detail of waterlogged area in Haryana is given in **Annexure-A**.
- b) Hon'ble Chief Minister resolve to reclaim water logged and saline land has already been taken up for implementation from 2021-22 onwards. A web portal "सेम एवं कल्लर भूमि सुधार योजना" has been developed and launched by the Hon'ble Chief Minister on 27.12.2021 for seeking willingness of the farmers to reclaim their waterlogged saline soils and 4355 farmers have shown their interest to reclaim 25426 acres land on the portal till date and Detailed Project Report (DPR) is being prepared by Central Soil Salinity Research Institute (CSSRI), Karnal. The reclamation work of waterlogged & saline soils was started in the year 1996 in Haryana. Under this scheme, only 28,100 acre of the state was reclaimed in the past 24 years through Sub-Surface & Vertical Drainage technology. A target to reclaim an area of 25000 acres had been fixed during the current year, out of which an area of 20,839 acres has already been reclaimed through Sub Surface & Vertical Drainage technology and remaining work is in progress. The Department is using three Trenching Machines for reclamation through Sub-Surface Drainage

Technology (SSD). Further, the Department is going to procure 5 new trenching machines to reclaim the critically affected area through SSD technology. The district-wise detail of waterlogged area reclaimed in Haryana is given in **Annexure-B**.

**Annexure-A**

**District-wise Water Logged & Saline area in the State**

Sr. No.	District	Geographical Area (acre)	Water Logged & saline (acre)		Total	% Area
			0-1.5 (m)	1.5-3.0 (m)		
1.	Rohtak	436250	49810	218370	268180	61.47
2.	Jhajjar	458500	35465	151460	186925	40.77
3.	Sonepat	530500	20070	154745	174815	32.95
4.	Bhiwani	853250	5000	107570	112570	13.19
5.	Hisar	995750	2218	68792	71010	7.13
6.	Jind	675500	19912	42717	62629	9.27
7.	Ch. Dadri	341250	5258	27350	32608	9.56
8.	Fatehabad	634500	2950	8540	11490	1.81
9.	Ambala	393500	2755	12838	15593	3.96
10.	Gurugram	314500	0	2755	2755	0.88
11.	Sirsa	1069250	7722	11733	19455	1.82
12.	Palwal	339750	1183	1400	2583	0.76
13.	Karnal	630000	0	0	0	0.00
14.	Panipat	317000	0	0	0	0.00
15.	Kaithal	579250	0	0	0	0.00
16.	Kurukshetra	382500	0	0	0	0.00
17.	Y. Nagar	442000	6264	0	6264	1.42
18.	Mewat	376750	15863	0	15863	4.21
19.	Rewari	398500	0	0	0	0.00
20.	M.Garh	474750	0	0	0	0.00
21.	Faridabad	185250	0	0	0	0.00
22.	Panchkula	224500	0	0	0	0.00
	<b>Total</b>	<b>11053000</b>	<b>174470</b>	<b>808270</b>	<b>982740</b>	<b>-</b>
	<b>State %age</b>	<b>100</b>	<b>1.58</b>	<b>7.31</b>	<b>8.89</b>	<b>-</b>

**Annexure-B**

**Area Reclaimed through Vertical & Sub-Surface Drainage  
Technology during 2022-23**

Sr. No.	District	Village	Area (acres)	Technology
1.	Sirsa	Gudiakhera	1445	Vertical Drainage
		Nirban	740	-do-
		Nathusri Kalan & Khurd	2625	-do-
		Rupana	775	-do-
2.	Bhiwani	Gushkhani	600	-do-
3.	Sonapat	Lath	2800	-do-
		Bilbilan	223	Sub-Surface Drainage
		Ahulana	440	-do-
		Kathura	630	-do-
4.	Rohtak	Chiri	2000	Vertical Drainage
		Basantpur	100	-do-
		Baland	500	-do-
		Bakheta	450	-do-
5.	Hisar	Ladwa	1050	-do-
		Saatroad Khas	350	-do-
		Saatroad Kalan	475	-do-
		Datta	300	-do-
		Gurana	1125	-do-
		Mirzapur	980	-do-
		Khokha	508	-do-
		Kharkari	675	-do-
		Sultanpur	250	-do-
6.	Fatehabad	Bhimewala	1050	-do-
7.	Jind	Bambhewa	248	Sub-Surface Drainage
8.	Gurugram	Vidhwaka	500	Vertical Drainage
	<b>TOTAL</b>		<b>20839</b>	

## 'सेम' की समस्या का समाधान करना

\*96. श्री अभय सिंह चौटाला (ऐलनाबाद) :

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृपया बताएंगे कि:-

(क) राज्य में उन क्षेत्रों के नाम क्या हैं जो 'सेम' की समस्या से प्रभावित हैं तथा उनका जिलावार ब्यौरा क्या है; तथा

(ख) उपरोक्त समस्या का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा क्या पग उठाए गए हैं तथा उनका जिलावार ब्यौरा क्या है?

---

जय प्रकाश दलाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, हरियाणा

श्रीमान जी, सूचना सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

"सेम की समस्या का समाधान करने" के सम्बन्ध में तारांकित प्रश्न सं0-96 के सन्दर्भ में जय प्रकाश दलाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, हरियाणा का वक्तव्य।

क) श्रीमान जी, भू-जल कोष अनुभाग द्वारा उपलब्ध करवाए गए जून, 2020 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में लगभग 982740 एकड़ क्षेत्र जल-भराव और लवणता की दोहरी समस्या से प्रभावित है, जिसमें से लगभग 174470 एकड़ क्षेत्र में (जल स्तर 0-1.5 मीटर) स्थिति गंभीर है। समस्या की प्रकृति तथा विस्तार अनुसार जल-भराव की समस्या से उप स्तरीय निकासी (एस0 एस0डी0) तथा ऊर्ध्वाधर निकासी (वी0डी0) तथा जैविक निकासी एवं मछली पालन प्रणालियों द्वारा निपटा जा सकता है तथा प्रभावित क्षेत्र 3-4 वर्षों के भीतर सुधारा जा सकता है। इस समस्या से अधिकतर प्रभावित क्षेत्र रोहतक, झज्जर, सोनीपत तथा भिवानी जिलों के अन्तर्गत पड़ता है, उसके बाद जिला हिसार, जीन्द, फतेहाबाद, सिरसा, पलवल और नूंह आदि आते हैं। वर्षा तथा फसल चक्र के अनुसार वास्तुस्थिति में उतार-चढ़ाव होता रहता है। हरियाणा में जल भराव के क्षेत्र का जिलावार विवरण अनुलग्नक "क" में दिया गया है।

ख) माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा द्वारा जल-भराव और लवणीय भूमि के सुधार करने की घोषणा की गई, जिसका क्रियान्वयन वर्ष 2021-22 व आगे आने वाले वर्षों में किया जाएगा। माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा दिनांक 27-12-2021 को किसानों से उनकी जल ग्रस्त एवं लवणीय भूमि के सुधार हेतु इच्छा जानने के लिए एक वेब पोर्टल "सेम एवं कल्लर भूमि सुधार योजना" का शुभारंभ किया गया, जिसके अन्तर्गत अब तक 4355 किसानों ने पोर्टल पर 25426 एकड़ भूमि में सुधार कराने की इच्छा जाहिर की है तथा केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सी0एस0एस0आर0 आई0), करनाल द्वारा प्रभावित क्षेत्र के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी पी आर) बनाई जा रही है। हरियाणा में जल ग्रस्त एवं लवणीय भूमि का सुधार कार्य वर्ष 1996 में शुरू किया गया था। इस योजना के तहत उप स्तरीय तथा ऊर्ध्वाधर जल निकासी तकनीक द्वारा पिछले 24 वर्षों में केवल 28100 एकड़ क्षेत्र का सुधार किया गया। चालू वित्त वर्ष के दौरान 25000 एकड़ क्षेत्र के सुधार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से उप

स्तहीय तथा ऊध्वाधर जल निकासी प्रणाली द्वारा 20839 एकड़ क्षेत्र का पहले ही सुधार किया जा चुका है तथा शेष कार्य प्रगति पर है। उप स्तहीय जल निकासी तकनीक (एस0एस0डी0) के माध्यम से भूमि सुधार कार्य करने के लिए विभाग तीन ट्रैचिंग मशीनों का उपयोग कर रहा है। इसके अतिरिक्त गम्भीर रूप से प्रभावित क्षेत्र को उप स्तहीय जल निकासी तकनीक (एस0एस0डी0) द्वारा सुधार करने के लिए विभाग पांच नई ट्रैचिंग मशीन खरीदने जा रहा है। राज्य में जल-ग्रस्त क्षेत्र में किए गए सुधार का जिलावार विवरण अनुलग्नक “ख” में दिया गया है।



राज्य में जिला वार भूजल स्तर की विवरण तालिका, जून-2020

क्र०स०	जिले का नाम	भौगोलिक क्षेत्र (एकड़)	जलभराव क्षेत्र (एकड़)			क्षेत्र प्रतिशत
			0-1.5 (मीटर)	1.5-3.0 (मीटर)	कुल	
1	रोहतक	436250	49810	218370	268180	61.47
2	झज्जर	458500	35465	151460	186925	40.77
3	सोनीपत	530500	20070	154745	174815	32.95
4	भिवानी	853250	5000	107570	112570	13.19
5	हिसार	995750	2218	68792	71010	7.13
6	जींद	675500	19912	42717	62629	9.27
7	चरखी दादरी	341250	5258	27350	32608	9.56
8	फतेहाबाद	634500	2950	8540	11490	1.81
9	अम्बाला	393500	2755	12838	15593	3.96
10	गुर्याम	314500	0	2755	2755	0.88
11	सिरसा	1069250	7722	11733	19455	1.82
12	पलवल	339750	1183	1400	2583	0.76
13	करनाल	630000	0	0	0	0.00
14	पानीपत	317000	0	0	0	0.00
15	कैथल	579250	0	0	0	0.00
16	कुरुक्षेत्र	382500	0	0	0	0.00
17	यमुनानगर	442000	6264	0	6264	1.42
18	मेवात	376750	15863	0	15863	4.21
19	रेवाड़ी	398500	0	0	0	0.00
20	महेन्द्रगढ़	474750	0	0	0	0.00
21	फरीदाबाद	185250	0	0	0	0.00
22	पंचकूला	224500	0	0	0	0.00
	कुल	11053000	174470	808270	982740	-
	राज्य प्रतिशत	100	1.58	7.31	8.89	-

वर्ष 2022-23 के दौरान उप स्तरीय तथा ऊर्ध्वाधर जल निकासी प्रणाली द्वारा सुधार किए गए क्षेत्र का विवरण :-

क्र० सं०	जिला	गांव	क्षेत्र (एकड़)	अपनाई गई तकनीक
1	सिरसा	सिरसा	1445	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		निरबाण	740	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		नाथूश्री कलां और खुर्द	2625	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		रूपाना	775	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
2	भिवानी	भिवानी	600	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
3	सोनीपत	सोनीपत	2800	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		बिलबिलान	223	उप-स्तरीय जल निकासी
		आहूलाना	440	उप-स्तरीय जल निकासी
		कथुरा	630	उप-स्तरीय जल निकासी
4	रोहतक	रोहतक	2000	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		बसंतपुर	100	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		बालंद	500	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		बखेता	450	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
5	हिसार	हिसार	1050	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		सातरोड खास	350	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		सातरोड कलां	475	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		डाटा	300	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		गुराणा	1125	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		मिर्जापुर	980	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		खोखा	508	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
		खरकरी	675	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
सुल्तानपुर	250	ऊर्ध्वाधर जल निकासी		
6	फतेहाबाद	फतेहाबाद	1050	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
7	जींद	जींद	248	उप-स्तरीय जल निकासी
8	गुरुग्राम	गुरुग्राम	500	ऊर्ध्वाधर जल निकासी
	कुल		20839	ऊर्ध्वाधर जल निकासी